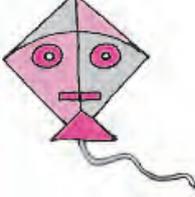
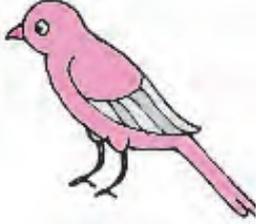
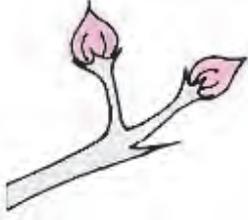
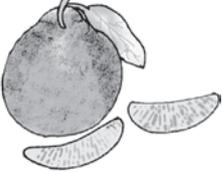
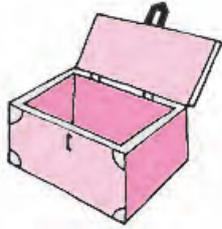
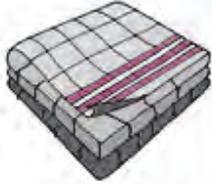


- पढ़ो, समझो और लिखो :

१४.(अ) हम अलग - रूप एक

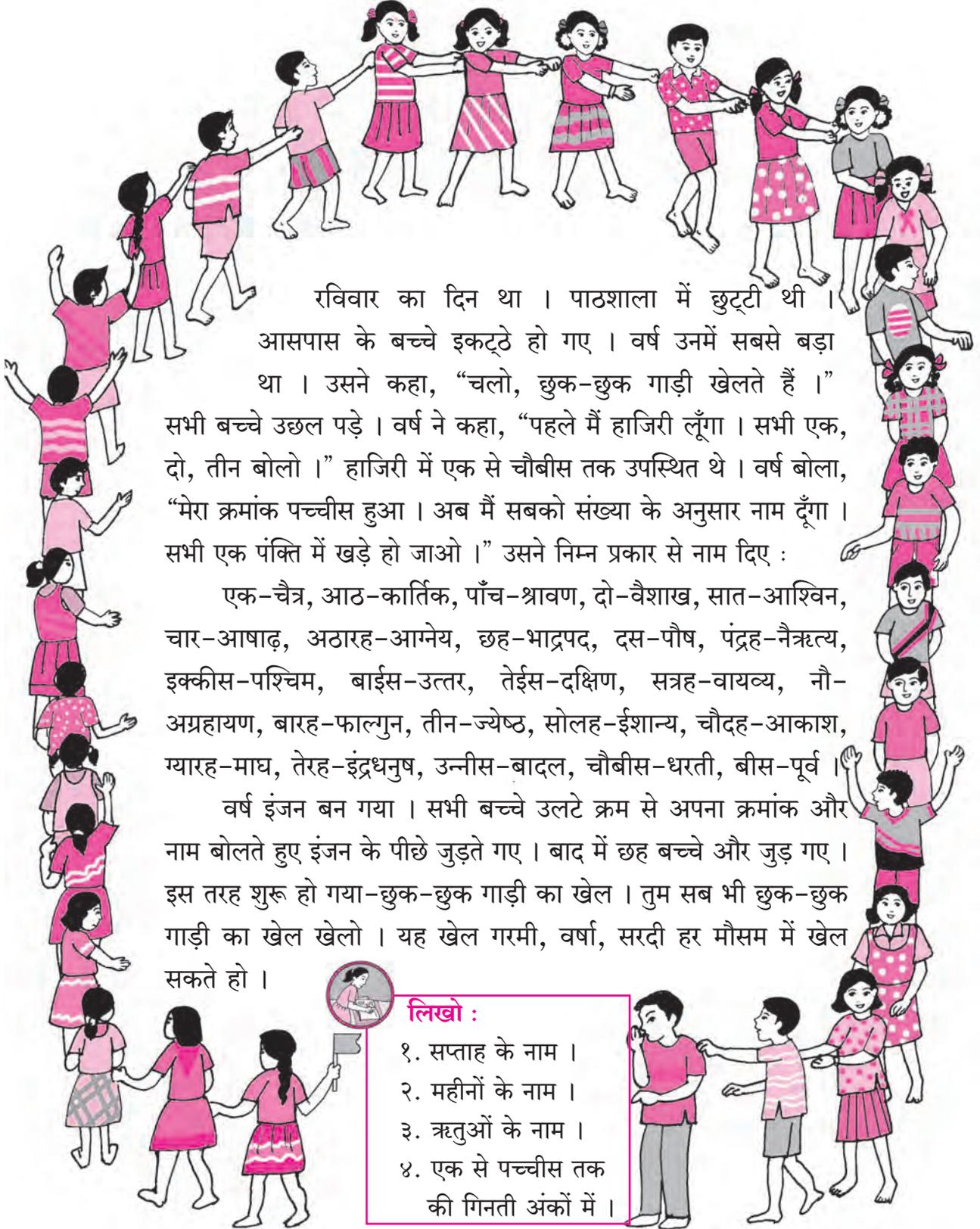


			
टंकी	शंख	पतंग	कंघी
			
कंचा	पंछी	जंजीर	झंझावात
			
घंटा	डंठल	डंडा	पंढरपुर
			
संतरा	ग्रंथ	संदूक	कंधा
			
चंपा	गुंफन	कंबल	खंभा

- ❑ क,च,ट,त,प, वर्ग के पंचमाक्षर ड,ज,ण,न,म हैं । ये अपने ही वर्ग के शेष चार वर्णों में से किसी भी वर्ण से मिले तो अनुस्वार इनके पहले वाले वर्ण पर लगता है । उदा.- शंख (शङ्ख), 'क' वर्ग का पंचमाक्षर 'ड' वर्ण 'ख' से मिले तो अनुस्वार पहले वर्ण 'श' पर लगता है । इसी प्रकार - पंछी, डंडा, कंधा, चंपा आदि । पंचमाक्षरयुक्त शब्दों का सामूहिक अनुकरण एवं मुखर वाचन करवाएँ । प्रत्येक विद्यार्थी को मौन वाचन करने का अवसर दें । उनसे पंचमाक्षर के प्रयोग पर चर्चा करें एवं समझाएँ । पाठ्यपुस्तक में आए हुए पंचमाक्षरयुक्त शब्दों को ढूँढने के लिए कहें और उनका लेखन करवाएँ ।

● पढ़ो और अनुलेखन करो :

(ब) छुक-छुक गाड़ी



रविवार का दिन था । पाठशाला में छुट्टी थी । आसपास के बच्चे इकट्ठे हो गए । वर्ष उनमें सबसे बड़ा था । उसने कहा, “चलो, छुक-छुक गाड़ी खेलते हैं ।” सभी बच्चे उछल पड़े । वर्ष ने कहा, “पहले मैं हाजिरी लूँगा । सभी एक, दो, तीन बोलो ।” हाजिरी में एक से चौबीस तक उपस्थित थे । वर्ष बोला, “मेरा क्रमांक पच्चीस हुआ । अब मैं सबको संख्या के अनुसार नाम दूँगा । सभी एक पंक्ति में खड़े हो जाओ ।” उसने निम्न प्रकार से नाम दिए :

एक-चैत्र, आठ-कार्तिक, पाँच-श्रावण, दो-वैशाख, सात-आश्विन, चार-आषाढ़, अठारह-आग्नेय, छह-भाद्रपद, दस-पौष, पंद्रह-नैऋत्य, इक्कीस-पश्चिम, बाईस-उत्तर, तेईस-दक्षिण, सत्रह-वायव्य, नौ-अग्रहायण, बारह-फाल्गुन, तीन-ज्येष्ठ, सोलह-ईशान्य, चौदह-आकाश, ग्यारह-माघ, तेरह-इंद्रधनुष, उन्नीस-बादल, चौबीस-धरती, बीस-पूर्व ।

वर्ष इंजन बन गया । सभी बच्चे उलटे क्रम से अपना क्रमांक और नाम बोलते हुए इंजन के पीछे जुड़ते गए । बाद में छह बच्चे और जुड़ गए । इस तरह शुरू हो गया-छुक-छुक गाड़ी का खेल । तुम सब भी छुक-छुक गाड़ी का खेल खेलो । यह खेल गरमी, वर्षा, सरदी हर मौसम में खेल सकते हो ।



लिखो :

१. सप्ताह के नाम ।
२. महीनों के नाम ।
३. ऋतुओं के नाम ।
४. एक से पच्चीस तक की गिनती अंकों में ।

□ पाठ का उचित उच्चारण के साथ वाचन करें । एक- एक परिच्छेद का अनुलेखन और श्रुतलेखन कराएँ । एक से पच्चीस तक के अंकों को अक्षरों में लिखने हेतु प्रेरित करें । विद्यार्थियों से बाद में आए छह बच्चों के नाम ऋतुओं के आधार पर रखवाएँ ।